HHR17-3-3-HI

श्रृंखला ३: अरमगेदोन, दूसरा आगमन और अनंत भविष्य - कार्यक्रम ३

उद्घोषक : आज लगभग आधा मसीही समाज यह विश्वास करता है कि उन के जीवन काल में ही मसीह का दोबारा आगमन हो जाएगा । प्रकाशितवाक्य की पुस्तक कलीसिया के लिए मसीह यीशु के अंतिम वचनों को समाविष्ट करती है । वह भयानक घटनाओं की चेतावनी देते हैं जो विपत्ति के दौरान पृथ्वी पर आएंगे, शैतान का क्या होगा, मसीही विरोधी का क्या होगा, और सभी जो झूठे धर्म का पालन करते हैं । वे बताते हैं कि अर्मगेदोन कि लड़ाई के दौरान क्या होगा, पृथ्वी पर दोबारा आगमन के दौरान, हजार वर्ष के राज्य, अंतिम न्याय, साथ ही वर्णित करते हैं कि परमेश्वर ने अपने लोगों के निमित अनंत काल के लिए क्या योजना बनाई है। इस श्रंखला में हम प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के हर एक अध्याय का गहन अध्ययन करेंगे और इसमे के संदेश और परमेश्वर के इशारों को बेहतर समझने का प्रयास करेंगे।

आज, हम तीसरे भाग की शुरुआत करेंगे जिसे हमने शीर्षक दिया है “हरमगेदोन, दूसरा आगमन और अनंत भविष्य, प्रकाशितवाक्य १४-२२”। मेरे मेहमान हैं: डॉ एड हिंड्सन, लिबर्टी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ रिलीजन के डीन और धर्म के प्रतिष्ठित प्रोफेसर, और ४० से अधिक पुस्तकों के लेखक। डॉँ मार्क हिचकॉक बाइबल प्रतिपादन के सहयोगी प्रोफेसर हैं डलास थियोलॉजिकल सेमिनरी मे। वे बाइबिल की भविष्यवाणी पर ३० पुस्तकों के लेखक हैं, और फेत बाइबल चर्च के वरिष्ठ पाज़बान हैं। डॉ रॉन रोड्स भि डलास थियोलॉजिकल सेमिनरी में पढाते हैं, और रीज़निंग फॉर द स्क्रिप्चर्स मिनिस्ट्रीज़ के अध्यक्ष हैं। इन्होंने भविष्यवाणी पर लगभग ७० पुस्तकें लिखी है।

आइए जुड़िए हमारे साथ जॉन एकरबर्ग शो के इस विशेष संस्करण में।

*****

एंकरबर्ग: हमारे कार्यक्रम में आपका स्वागत है। मैं हूँ जॉन एंकरबर्ग, मेरे साथ जुड़ने के लिए शुक्रिया। आज हम बात कर रहे हैं एक मसीही के लिए सबसे बेहतरीन खबर की। आज हम बात करने जा रहे हैं परमेश्वर की कहनी पर, की पीड़ा काल के बाद क्या होने वाला है, मिलेनियल राज्य के बाद, और जब हम अनंत भविष्य में प्रवेश करेंगे, नए यरूशलेम में, नई पृथ्वी और नए स्वर्ग ***कि सृष्टि होगी / की रचना होगी***। हम इन विषयों पर बात करेंगे। अगर आपने यह पहले नहीं सुना, तो आप इस कार्यक्रम को अवश्य देखना चाहेंगे। और मेरे साथ हैं डॉ एड हिंड्सन, डॉं मार्क हिचकॉक और डॉ रॉन रोड्स इनके बारे में आपने सुन लिया है। और ऐड मैं चाहूंगा कि आप एक बार फिर से इन बातों को दोहराएं कि हम कहां हैं अब तक प्रकाशितवाक्य में हम कहां पहुंचे हैं और आज के इस कार्यक्रम में हम ***क्या कुछ कवर करने वाले हैं / किन बातों पर गौर करने वाले हैं***।

हिंड्सन : ठीक है, जॉन। अगर आप प्रकाशितवाक्य को सात भागों में बांटें, और इस पुस्तक के लिहाज से यह सही भी है क्योंकि यह संख्या ७ पर अधिक जोर है, नंबर १, अध्याय १ में हमें प्रस्तावना मिलती है। पुनरोत्थित मसीह पतमोस तापू पर दर्शन में यूहन्ना से इस पुस्तक को लिखने के लिए कहते हैं। नंबर दो, एक उद्घोषणा है, एक खत जो यीशु ७ कलीसियाओं को भेजते हैं पहली शताब्दी कि सात कलीसियाएं जो एशिया माइनर में थी, पर साथ ही वह तमाम कलीसिया ऊपर भी लागू होती हैं आज भी। नंबर ३, एक समस्या है जिसका की समाधान निकाला जाना है: पुस्तक के खोलने योग्य कोई हो, मुहर को तोड़े, न्याय की घोषणा करे, और धरती पर स्वर्ग राज्य की स्थापना करे।

मेमना, मसीह, आते हैं। वह हमारी आराधना के योग्य हैं, वह उस पुस्तक को लेने के योग्य है। फिर चौथा, हम एक न्याय की प्रक्रिया को देखते हैं अध्याय ६-११ में, सात मुहरों का खोला जाना और फिर सात तुरही के न्याय की उद्घोषणा।

यहां हम पुस्तक के मध्य भाग में पहुंच चुके हैं। इसे हम पांचवा बिंदु कहेंगे: अंतिम समय के ***ड्रामे / घटनाचक्र*** के मुख्य किरदार, अंत के समय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रतीकात्मक खिलाड़ी। और फिर नंबर छे, सात अंतिम विपत्तियां, सात कटोरे के न्याय जिनका स्वर्ग से विजयी मसीह की वापसी में समापन हुआ; पशु की पराजय, मसीह विरोधी और झूठा भविष्यवक्ता। तत्पश्चात मसीह विजय होकर पृथ्वी पर अपना राज्य कायम करते हैं और हजार साल के लिए अधिकार के साथ राज्य करते हैं।और फिर, नंबर सात, आपके पास उपसंहार है। और यह वास्तव में सभी का सबसे अच्छा भाग है, नया स्वर्ग, नई पृथ्वी, और नया यरूशलेम। और आज हम यहीं पर हैं; वह जगह बेहद शानदार जगह होगी, मनुष्य के किसी भी विवरण से परे। ऐसी जगह जहां पर कोई श्राप नहीं, सूर्य नहीं, मंदिर नहीं, दर्द नहीं, मृत्यु नहीं, आंसू नहीं, और कोई खोया हुआ नहीं। यह उद्धार पाए हुओं के लिए हमेशा-हमेशा का निवास स्थान होगा। यह अनंत शहर है।

एंकरबर्ग: हां। अगर मैं कुछ आयतों को स्क्रीन पर डाल सकूं, इन पर मैं आपके विचार जानना चाहूंगा, हम यहां देख सकते हैं युहन्ना लिखते हैं, यीशु उन्हें जानकारी दे रहे हैं," फिर मैंने नये आकाश और नई पृथ्वी को देखा, क्योंकि पहला आकाश और पहली पृथ्वी जाती रही थी' और समुद्र भी न रहा। फिर मैंने पवित्र नगर नये यरूशलेम को स्वर्ग से परमेश्वर के पास से उतरते देखा। वह उस दुल्हन के समान थी जो अपने पति के लिए सिंगार किए हो। फिर मैंने सिहासन में से किसी को ऊंचे शब्द से यह कहते हुए सुना, "देखो, परमेश्वर का डेरा मनुष्यों के बीच में है। वह उनके साथ डेरा करेंगे, और वह उनके लोग होंगे, और परमेश्वर आप उनके साथ रहेंगे और उनके परमेश्वर होंगे। वह उनकी आंखों से सब आंसू पोंछ डालेंगे; और इसके बाद मृत्यु ना रहेगी, और न शोक, न विलाप, न पीड़ा रहेगी; पहली बातें जाती रहीं।" वह कौन सी बात है, मार्क, जो इसके सुनते ही आपके जेहन में उठती है ?

हिचकॉक : दरअसल, यहां हम देख सकते हैं वहां होने वाली कुछ बातों को, पर अंग्रेजी में इसे "नो मोर जगह" भी कहा जाता है। कई ऐसी चीज है जो वहां नहीं होने वालीं। जैसे कि आप पढ़ सकते हैं : आंसू नहीं होंगे, मृत्यु नहीं होगी, शोक नहीं होगा, रोना नहीं होगा। जरा इस जिंदगी की उन तमाम परेशानियों को याद कर देखिए, दर्द से तड़पते लोग, अपने प्रिय जनों से बिछड़ना उनकी मृत्यु, हर पल दुनिया में होने वाली वह शोकपूर्ण घटनाएं। बढ़िया ही है कि कई चीजें वहां मौजूद नहीं है क्योंकि वहां बेहतर चीजें मौजूद हैं। पर जो बात वास्तव में स्वर्ग को स्वर्ग बनाएगी, वह है वहां प्रभु की मौजूदगी ,और हम उन्हें मुखा-मुख देखेंगे। और वह प्रभु के तेज से भरा हुआ होगा। यही वास्तव में स्वर्ग को स्वर्ग बनाएगा।

एंकरबर्ग: हां। और मुझे यह बेहद रोचक लगता है जब प्रभु कहते हैं कि वह नए स्वर्ग और नए पृथ्वी की रचना करेंगे; नए यरूशलेम की भी। अब, यह नया यरूशलेम, मुझे लगता है यूहन्ना के पास इसके सही वर्णन के लिए शब्द कम पड़ गए। इसके विषय में कुछ बताएं।

हिंड्सन : सोना, देखिए, सोने के सड़क, जो कि कांच के समान पारदर्शी हैं, आप दूसरी और देख सकते हैं। शहर के दरवाजे को वह वर्णित करते हैं एक बहुकाय मोती की तरह। कहना गलत नहीं होगा, अगर वह प्राकृतिक है, तो एक बड़ा सीप होंगा

हिंड्सन : मैं मानता हूं परमेश्वर से यह संभव है लिखा है वहां की दीवार बहुमूल्य पत्थरों की थी। यूहन्ना की एक और बात जो मुझे रोचक लगी, शहर के दरवाजों के नाम तो इस्राइल के १२ गोत्रों के नाम पर रखे गए, पर इस शहर की नींव के नाम १२ प्रेरितों के नाम पर रखे गए। और आप स्वर्ग में क्या देख रहे हैं, अनंतता में, परमेश्वर का पूरा परिवार: पुराने नियम के धर्मी जन, नए नियम के धर्मी जन, पीड़ा के काल के मिलेनियम समय के विश्वासी। अब तक के समय के तमाम विश्वासी इस शानदार जगह पर एक साथ हैं।

हिंड्सन : अवर्णनीय के वर्णन का प्रयास करने की चुनौती...

रोड्स : सही है।

हिंड्सन :... कई बार प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में। और जितना बेहतर हम इसे अपने सोचने कि योग्यता से समझ सकते हैं, यह हमारी कल्पना से काफी दूर है। अत्यंत शानदार, आप इससे चूकना नहीं चाहेंगे।

हिचकॉक : यह स्वर्गीय शहर जिसका वर्णन यूहन्ना कर रहे हैं, वास्तव में यह १४०० मिल का घनक्षेत्र है। मेरे लिए, यहां इन आयतों में, दो मुख्य बिंदु हैं। यहां एक नया स्वर्ग और नई पृथ्वी है। इस वर्तमान धरती और स्वर्ग को हटा, परमेश्वर नए की रचना करते हैं। तो एक नई पृथ्वी है, नया ब्रह्मांड। पर फिर वह स्वर्गीय शहर, नया यरूशलेम स्वर्ग से निकल आता है और नए पृथ्वी पर उतरता है। यह महानगर या राजधानी है, वास्तव में, अनंत अनंत काल के लिए। और वह स्वर्गीय शहर, नया यरूशलेम, इसका घनक्षेत्र १४०० मील लंबा है। और कुछ लोगों ने यह बताया भी है कि जंगल में मिलाप वाले तंबू का घनक्षेत्र १५ फूट था, महा पवित्र स्थान। और सुलेमान के मंदिर में वह घन शेत्र ३० फुट का रहा। और यहां यह घन शेत्र १४०० मील का है, यह स्वर्गीय शहर, नया यरूशलेम जहां परमेश्वर का सिंहासन है, यह एक अति वैभवी, अत्यंत महा पवित्र स्थान है, परमेश्वर के निवास का। और मनुष्य, जो कि परमेश्वर के सानिध्य से निकाला गया था, वाटिका में से, दोबारा परमेश्वर के सानिध्य में लाया जाएगा। कुछ लोगों के अनुसार दोबारा से एडनिक टेंपल सिटी में। यह अदन की वाटिका के समान होगा भव्य मंदिर के शहर में, यह भव्य महा पवित्र स्थान जहां हम हमारे सृष्टिकर्ता के साथ सहभागिता करेंगे।

एंकरबर्ग: हां। मुझे इस नए यरूशलेम के १४०० मिल घनक्षेत्र का विचार काफी पसंद आया। अगर आप इस क्षेत्र का अंदाजा लगाएं आप कह सकते हैं, कहिए न्यूयॉर्क से कॉलराडो तक, वह होगी निचली मंजिल। अब

१४०० मील ऊपर जाएं, ठीक है? आपको हर जगह वहां कमरे नजर आएंगे। मैं १४०० मील ऊपर रहना चाहूंगा। अब हमारे नए शरीरों के साथ आपको १४०० मील नीचे जाने के लिए एलिवेटर का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है आपको बस सोचने की जरूरत होगी और आप नीचे लॉबी में पार्टी के स्थान पर पहुंच जाएंगे। या हो सकता है इस नए शरीर के साथ आप अचिंतनीय तरीके से यात्रा कर पाए।

एंकरबर्ग: ठीक है, अभी हम यहां ब्रेक लेना चाहेंगे। जब हम वापस आएंगे हम बात करेंगे इस नए स्वर्ग और नए पृथ्वी में और क्या कुछ होगा। आप चूकना नहीं चाहेंगे, हमारे साथ बने रहें।

*****

एंकरबर्ग: दोबारा स्वागत है। दो बातें गौर करने की हैं, ऐड, और हम इस पर बात करेंगे। पहला, लिखा है, "मुझे यीशु ने अपने स्वर्गदूत को इसलिए भेजा की कलीसियाओं में इन बातों की गवाही दे।" तथ्य यह है, इस पुस्तक का प्रचार कलीसियाओं में किया जाना है। और आप तमाम लोग जो पासबान हैं, क्या आपने अपने लोगों को प्रकाशितवाक्य की पुस्तक से सिखाया है ? क्योंकि यीशु कहते हैं वे आप से इसकी उम्मीद रखते हैं। यह प्राथमिकता है। आपके विचार रखें।

हिंड्सन : यकीनन इसमें उनकी दिलचस्पी है और उनकी करुणा भी। वे कहते हैं, "यह है वह संदेश, इसे मैंने तुम पर जाहिर किया है। मैंने तुम्हें बताया है भविष्य में क्या होने जा रहा है। मुझ पर यकीन रखो, और कलीसियाओं में इसकी ***घोषणा करो / प्रचार करो***।" और अगर एक कलीसिया प्रकाशितवाक्य के पुस्तक का प्रचार नहीं करती तो वह परमेश्वर की पूरी मंत्रणा का ही प्रचार नहीं
कर रहे । और निश्चय ही बाइबल के प्रमुख भाग को अनदेखा कर रहे हैं। अगर २५% बाइबिल ***का स्वभाव / की आकृति***, भविष्यदवाणीय है, यह एक भविष्यवाणी है, हम देख सकते हैं, यह उस संदेश का भाग है जिसकी ***घोषणा / प्रचार*** होना है। अगर हम पुराने नियम के भविष्यवक्ता जैसे - यशायाह, यिर्मयाह, यहेजकेल, दानिएल

आदि के संदेशों की ***<u>घोषणा / प्रचार</u>*** करते हैं, तो हमें नए नियम कि इस भविष्यवाणी के पुस्तक की घोषणा भी करनी होगी।

यह केवल रहस्योद्घाटनात्मक भाषा नहीं है, यह केवल प्रतिकात्मक नहीं है, गुप्त जानकारी जो एक पहेली की तरह है जिसे आपको समझना हैं; यह खुद को परिभाषित करता है। मनषा यह रही कि एक औसत व्यक्ति इसे पढ़ें, अध्ययन करें और समझे। मैं नहीं मानता कि जब युहन्ना कि यह पुस्तक मुख्य भूमि पर पहुंची होगी,इफिसूस की कलीसिया में, लोगों ने 2 साल इसका अध्ययन किया होगा। बनिस्पत, मैं मानता हूं, उन्होंने इसे शुरू से अंत तक पढ़ा होगा, और कहा, "प्रभु को महिमा, हम जीत गए।"

एंकरबर्ग: अब इसका प्रचार कलीसियाओं में किया जाना है। यहां पर एक चेतावनी भी दी गई है। और वह चेतावनी प्रकाशितवाक्य २२:१८-१९ में पाई जाती है, वह पाठकों को इसमें कुछ जोड़ने या घटाने के विरुद्ध चिताती है। लिखा है, “यदि कोई मनुष्य इन बातों में कुछ बढ़ाए तो परमेश्वर उन विपत्तियों को, जो इस पुस्तक में लिखी हैं, उस पर बढ़ाएंगे।” दूसरे शब्दों में, मुझे आश्चर्य होता है उन प्रचारकों पर, जब वे प्रकाशितवाक्य पर टीका देते हैं, संदेश को बदलते हैं या कुछ बातों को अनदेखा करते हैं, जैसे कि नरक आदि बातें, जिन पर हम चर्चा कर रहे हैं। वे बदल देते हैं। परमेश्वर चेतावनी देते हैं, “वैसा मत करो“।

हिंड्सन : ऐसा ना करें। हाँ। मुझे लगता है, मतलब है, इसमे जो कहा है उससे ज्यादा मत कहो, सनकी, बेतुके अटकलें मत लगाओ। साथ ही, जो इसमें कहा गया है उसमे कमी भी मत करो, जल मिश्रित ना करो। क्योंकि तब तुम इसके वास्तविक संदेश को प्रकट नहीं करते।

हिचकॉक : यह दुखद है आज कई लोग इस पर बात ही नहीं करते। और देखिए, मैं मानता हूं कई मायनों में बहुत शैतानी प्रभाव है। क्योंकि अक्सर कहा जाता है, आपने सुना होगा, अगर तुम शैतान होते तो क्या तुम चाहोगे कि लोग उस पुस्तक को पढ़ें जिसमें तुम्हारे विनाश की कहानी वर्णित है ? तो मुझे लगता है यह शैतानी प्रभाव है। पर मेरे लिए, अत्यंत दुखद यह देखना है, एक कलीसिया के पासबान के नाते, आजकल कलीसियाओं

में लोग प्रकाशितवाक्य के पुस्तक की सच्चाई को सुनना नहीं चाहते, वह भी तब जब कि हम एक ऐसे समय में जी रहे हैं, जहां की कलीसिया के इतिहास में, सबसे ज्यादा प्रकाशितवाक्य के पुस्तक की घटनाओं को हम होते देख सकते हैं। फिर भी इसके विषय बात कम की जाती है। इतिहास के किसी भी समय से कहीं अधिक अब हमें आशा की बहुत अधिक आवश्यकता है।

और यही वह पुस्तक है जो हमें श्रेष्ठ आशा देती है। इसीलिए मेरे लिए यह अत्यंत दुखद है कि आजकल इस पुस्तक का कलीसियाओं में इमानदारी से प्रचार नहीं किया जा रहा।

एंकरबर्ग: जब आपने प्रकाशितवाक्य पर प्रचार का निर्णय लिया, और इसमें की जानकारियां आपने समझीं, इस प्रकाशितवाक्य के पुस्तक का प्रचार करने का साहस आपको कहां से मिला?

हिचकॉक : मेरी अपनी रुचि, इन भविष्यवाणियों पर लगभग 70 के दशक मैं बढने लगि, जब मैं करीब १२ के आस-पास का था और ***द लेट ग्रेट प्लेनेट अर्थ*** बाहर आया। कुछ समय तक मेरी इस में बहुत रुचि रही। फिर कुछ समय के लिए मैं परमेश्वर से दूर चला गया। पर जब दोबारा मैंने बाइबल का अध्ययन करना शुरू किया, तब मैं करीब २० के आसपास का था, मैं क्या देखता हूं, बाइबिल का एक बहुत बड़ा भाग मुझे समझ ही नहीं आ रहा था की इसका अर्थ क्या है। तब मैंने भविष्यवाणी का गहन अध्ययन शुरू किया कि इन सब को एक साथ जोड़ कर समझ सकूं।

और कई मायनों में इस पुस्तक का अध्ययन काफी चुनौतीपूर्ण है, पर यदि बाइबल अध्ययन के लिए हम उन्हीं बुनियादी सिद्धांतों का उपयोग करें, जिनका उपयोग बाकी के वचन के लिए किया जाता है, हम आसानी से प्रकाशितवाक्य की पुस्तक को समझ पाएंगे। कई बेहतरीन टीका-टिप्पणीयाँ है जिन्हें हम पढ़ सकते हैं, दूसरे पासबानों से भी बात कर सकते हैं। और मैं मानता हूं अगर हम अपने लोगों को प्रकाशितवाक्य का अध्ययन नहीं कराते, तो यह उन्हें लूटने जैसा है। पर, अंततः जिसे हम लूट रहे हैं, वह हम स्वयं ही हैं।

एंकरबर्ग: आप विद्यालय मे डीन हैं, आप हमेशा बच्चों को पढ़ रहे होते हैं, सही है ना? क्या ऐसे भी बच्चे हैं जो आपके पास आकर कहते हो ,“आप जो कर रहे हैं मैं सौ वर्षों में भी नहीं कर पाऊंगा!” आप उनसे क्या कहते हैं?

हिंड्सन : देखिए मेरी परवरिश ऐसे माता-पिता द्वारा हुई जो आठवीं कक्षा से आगे नहीं पढ़ पाए। पुस्तक तो छोड़िए उन्होंने कभी समाचार पत्र तक नहीं पढ़ा। और जब प्रभु ने मुझे वेकेशन बाइबल स्कूल में उद्धार दिया, उन्होंने मुझे यीशु से प्यार करना सिखाया, और बाइबल से भी। मैंने इसे लगातार पढ़ा मेरे १६ के होने तक। रॉन की तरह, मुझमे इसे अधिक से अधिक जानने की लालसा थी।

पर मैं उनसे इतना ही कहूंगा, देखिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक को अनदेखा ना करें। आपको हर एक चीज की बारीकियों की आवश्यकता नहीं बड़ी तस्वीर को स्पष्ट समझने के लिए। बल्कि आप लोगों को एक उत्साहित समझ दें, की यीशु वास्तव में आने वाले हैं और आपको उनसे मिलने के लिए तैयार रहना चाहिए

साथ ही मैं यह भी कहूंगा, पुस्तक की कुछ बातों को लेकर अतिवादी रवैये में गुमराह न हो जाएं। मुख्य तस्वीर से ना भटकें। पुस्तक की सरल बातें हैं मुख्य बातें हैं।

और पुस्तक का अंत एक शानदार आह्वान के साथ होता है जहां यीशु २२वें अध्याय के १७ में कहते हैं," आत्मा और दुल्हन दोनों कहती हैं, "आओ!" और सुनने वाले भी कहें, "आओ!", जो प्यासा हो वह आए, और जो कोई चाहे वह जीवन का जल सेंतमेंत ले।" प्रकाशितवाक्य के पुस्तक का संदेश हमें डराने के लिए नहीं है, बल्कि एक आह्वान है, "उम्मीद के रहते मसीह के पास आओ, समय रहते आओ।" जब आप प्रकाशितवाक्य की पुस्तक पढ़ते हैं, वे पवित्र आत्मा है जो आपके हृदय को खटखटा कहते हैं "यीशु के पास आओ।" यीशु की दुल्हन, विश्वासी, कह रहे हैं, "यीशु के पास आओ।" यीशु स्वयं कह रहे हैं, "मेरे पास आओ।" और यह आह्वान है कि समय रहते यीशु के पास आओ, उम्मीद रहते आओ।

ये सभी विपत्तियां ये सभी न्याय, तमाम दुर्घटनाएं, आपके साथ होने वाली नहीं हैं। क्योंकि वह उद्धारकर्ता जो आपसे प्रेम करते हैं, आप के पापों के कारण जो परमेश्वर का क्रोध था, उन्होंने अपने आप पर ले लिया। और चूंकि हम उन्हें पहचानते हैं, क्रोध कि नियुक्ति हम पर नहीं है, बल्कि परमेश्वर की महिमा और उनके अनुग्रह का अनुभव करने की। इसलिए पुस्तक का अंत यह कहकर होता है, "हमारे प्रभु यीशु का अनुग्रह तुम सबों के साथ बना रहे।" प्रकाशितवाक्य की पुस्तक का संदेश है कि पतित संसार के लिए परमेश्वर का अनुग्रह उपलब्ध है। उम्मीद के रहते यीशु के पास आएं, समय के रहते आएं। बिना विलंब किये उन्हें पुकारें।

एंकरबर्ग: ठीक है, ऐड, मैं चाहूंगा कि आप प्रार्थना करें। और आप तमाम जो हमें इस पूरी श्रृंखला के दौरान सुन रहे थे, अंततः आप उस स्थान पर पहुंच चुके हैं जहां आप कह रहे हो "मुझे मेरे जीवन में यीशु चाहिए। मुझे जानना है, मैं स्वर्ग जा रहा हूं। अगर कल कलीसिया का उठाया जाना होता है मैं जानना चाहूंगा मैं भी उस में उठाया गया और स्वर्ग में हूं। और अब अनंत काल के लिए उनके साथ रहूंगा।" मैं चाहूंगा आप प्रार्थना करें। और मित्रों, अगर आप वास्तव में प्रभु को अपने जीवन में आमंत्रित करना चाहते हैं, साथ दोहराएं, वे शब्द जो ऐड कह रहे हैं, उन्हें मतलब के साथ दोहराएं। परमेश्वर नीचे देखेंगे, वे उस प्रार्थना को सुनेंगे। वे आपको छुड़ाएंगे, वे आप को बदलेंगे; वे आप के पापों को क्षमा करेंगे। ऐड, प्रार्थना में हमारी अगुवाई क।रें।

हिंड्सन : प्रार्थना अभिव्यक्ति है यीशु पर आपके विश्वास की और आपके लिए उन्होंने जो क्रूस पर किया, उसकी। शब्दों का महत्व नहीं, पर बात सही रवैये की है। आप कुछ ऐसे प्रार्थना कर सकते हैं :

प्रिय परमेश्वर, मैं यकीन जानता हूं यीशु मेरे पापों के खातिर क्रूस पर मारे गए। मैं विश्वास लाता हूं उनके मृत्यु से जी उठने पर और कि वे मुझे अनंत जीवन का वरदान दे रहे हैं। मैं उन्हें अपना उद्धारकर्ता स्वीकारता हूं।विश्वास के साथ यह प्रार्थना करता हूं, यीशु के नाम से यह प्रार्थना करता हूं, और प्रार्थना करता हूं आमीन के यकीन के साथ।

अगर आप करते हैं, परमेश्वर आपकी सुनेंगे, आपको उत्तर देंगे। यीशु आपको उधार देंगे और आपको एक नया जीवन देंगे, एक ऐसा जीवन जो अनंतता तक कायम रहेगा, नए स्वर्ग, नई पृथ्वी और नए यरूशलेम में।

एंकरबर्ग: हां, बाइबल कहती है, "परंतु जितनों ने उन्हें ग्रहण किया उन्होंने उन्हें परमेश्वर की संतान होने का अधिकार दिया, अर्थात उन्हें जो उनके नाम पर विश्वास रखते हैं।" और अगर आपने यह प्रार्थना की है, कई वायदे हैं कि परमेश्वर ने आपको छुड़ा लिया।

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् ब्यदृ ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्र्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्र्द्धत्ढ़ण्द्य 2016 ऋ्रड्ड·क्ष्